मधुबन-1

आओ दोहराएँ

दो वर्णों के शब्द—

1. जग चल
   धन वर
2. ज + ल फ + ल

तीन वर्णों के शब्द—

1. शहर बटन
   नमक परम
2. क + म + ल
   न + म + न
   ध + र + म
   म + द + न

चार वर्णों के शब्द—

1. लटकन अचरज
   कटहल चमचम
2. श + र + ब + त
   प + न + घ + ट
   ग + र + द + न

'आ' की मात्रा (ा)

1. चार, चारा
   बाल, बाला
2. हाथ; पालक; सलाद; टमाटर; पाठशाला

'इ' की मात्रा (ि)

1. किताब; मिठाई
2. ि + ब + ल
   क + ि + व + त + ा
   ड + ि + ल + या

'ई' की मात्रा (ी)

1. गिला, गीला
   दिन, दीन
2. साथी; लीलाधर
3. न + ी + ल + ी
   ह + ा + थ + ी

'उ' की मात्रा (ु)

1. पुल धुन
   पशु खुर
2. यमुना; धनुष; बटुआ

'ऊ' की मात्रा (ू)

1. जादू धूप
   भूख धूल
2. खजूर; फूल; डमरू; भालू

'ऋ' की मात्रा (ृ)

1. कृपा; अमृत; घृणा; गृहपति
2. घ + ृ + त
   म + ृ + द + ु

'ए' की मात्रा (े)

1. — मेला
   केला केश
2. ढ + े + र
   स + फ + े + द

'ऐ' की मात्रा (ै)

1. मेल, मैल
   सेर, सैर
2. गैस; सैर; बैसाखी

'ओ' की मात्रा (ो)

1. शोर मोड़
   चोर अशोक
2. तोता; सोलह; भोजन

'औ' की मात्रा (ौ)

1. चौकी नौकर
   कौरव कचौड़ी
2. चौखट; शौचालय

अनुस्वार की मात्रा (ं)

1. रंक; चंचल; जंगल
2. न + ं + द

स + ं + ग + त

द + ं + ग + ल

चंद्रबिंदु की मात्रा (ँ)

1. गाँव; ताँगा; बाँसुरी

2. म + ा + ँ + द

द + ा + ँ + त

म + ह + ँ + ग + ा

विसर्ग की मात्रा (:)

1. अतः; पुनः; शनैः; मूलतः

2. त + प + :

न + म + :

अ + ं + त + त + :

आधे वर्ण का बोध

1. कुल्हाड़ी, मक्खी, पुस्तक, नर्तक

पत्र, कुत्ता, बिल्ली, ड्रम, चर्च

2. (क) लट्टू (ख) सर्प (ग) ट्रक (घ) चंद्र

मिलते-जुलते, विपरीत अर्थ वाले शब्द

1.	चिड़िया	शेर	पहाड़	सर्प
2.	गरम	ठंडा	छोटा	काला

1. मीठा बोलो

पाठ-बोध

1. (क) (ii) विनम्र होकर

(ख) (ii) हमें सदा बढ़ा-चढ़ाकर अपनी बात कहनी चाहिए।

(ग) (i) मीठी

2. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗

3. जब बोलो तब **हँस** कर बोलो।

बातों में **मिसरी**-सी घोलो।

जब बोलो तब **सच-सच** बोलो।

कभी न बातें **रच-रच** बोलो।

भाषा-बोध

4. मीठा - **कड़वा** रुकना - **चलना** झूठ - **सच** हँसना - **रोना**

5. खोलो - **बोलो** झुककर - **रुककर** रच - **सच** अब - **तब**

6. (क) हमेशा सच बोलना चाहिए। (ख) बात हँसकर करनी चाहिए।

(ग) नरमी से बोलना चाहिए।

ज्ञान-बोध

❖ हमें मीठा व हँसकर इसलिए बोलना चाहिए, क्योंकि हँसकर बोलने से सामने वाला व्यक्ति प्रसन्न हो जाता है और वह हमारी बात का जवाब भी हँसकर ही देता है। मीठा बोलने से हमारे मित्रों की संख्या बढ़ती है। ❑

2. साहसी वल्लभ

पाठ-बोध

1. (क) (i) वल्लभ (ख) (i) पैर के अँगूठे से (ग) (ii) पाठशाला गया

2. (क) वल्लभ कुछ बच्चों के साथ पाठशाला जा रहा था।
(ख) वल्लभ जब पत्थर से टकराया तो उसके पैर के अँगूठे में चोट लग गई और अँगूठे से खून बहने लगा।
(ग) वल्लभ के साथी उसको अकेला छोड़कर आगे बढ़ गए।
(घ) काफी जोर लगाने के बाद पत्थर हिला उसके बाद वल्लभ उत्साह से भर गया।
(ङ) वल्लभ का पूरा नाम वल्लभ भाई पटेल था।

3. वल्लभ पाठशाला जा रहा था। [1]
वल्लभ का पैर पत्थर से टकरा गया। [2]
वल्लभ के अँगूठे में चोट लग गई। [3]
वल्लभ ने पत्थर को सड़क के किनारे खिसका दिया। [4]
वल्लभ पाठशाला पहुँचा। [5]

भाषा-बोध

4. (क) पास्ता, वास्ता (ख) वत्स, उत्सव (ग) पल्लव, गुल्लक (घ) मक्का, चक्का

5. (क) टक्राना = **टकराना** (ख) घकेलना = **धकेलना** (ग) पहूँचा = **पहुँचा**
(घ) खुब = खूब

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

❖ सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर, 1875 को नडियाद, गुजरात में हुआ था। उनकी मृत्यु 15 दिसम्बर, 1950 को बाम्बे राज्य में हुई थी।
नोट—छात्र स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बारे में अपने टीचर से जानकारी प्राप्त करें। ❑

3. उपहार का मोल

पाठ-बोध

1. (क) (ii) प्यार से (ख) (iii) मुम्बई गए (ग) (i) सँभालकर रख लिया।

2. (क) गाँधी जी को सारा देश इसलिए प्यार करता था, क्योंकि वे लोगों के प्यार का बहुत मान करते थे।
(ख) मुम्बई में गाँधी जी एक स्कूल में ठहरे।

(ग) गाँधी जी एक पेंसिल ढूँढ रहे थे।
(घ) पेंसिल दो इंच से भी छोटी थी।
(ङ) गाँधी जी ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह पेंसिल उन्हें एक बच्चे ने बड़े प्यार से दी थी और वे उस पेंसिल को खोना नहीं चाहते थे।

भाषा-बोध

3. बच्चों, प्यार, मुम्बई, शिष्य।

4.

बस	(सब)	रब
(हक)	कह	वह
नाम	मना	(मान)
जमे	(मेज)	जेम

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

4. चिड़िया लाई दाना

पाठ-बोध

1. (क) (i) चिड़िया (ख) (i) नन्हा (ग) (i) हाँ

2. (क) चिड़िया दाना खाने के लिए लाई थी।
(ख) तेज हवा के कारण दाना गिर गया।
(ग) दाना खाकर चिड़िया को दूर जाना था।
(घ) हाँ, चिड़िया ने दाना ढूँढ लिया।

3. तेज **हवा** में लेकिन,
गिर गया **नन्हा** दाना।
चिड़िया उड़ती उसे ढूँढती,
गाती **जाती** गाना।

भाषा-बोध

4. (क) हिस्सा, गुस्सा।
(ख) कान्हा, तन्हा।

5.

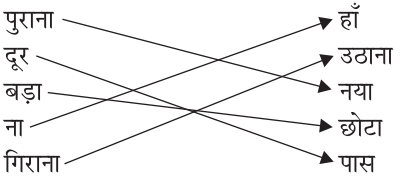

6. (क) आती, जाती। (ख) जाना, आना। (ग) धूल, मूल।

ज्ञान-बोध

❖ पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण। ❑

5. लालची सोनू

पाठ-बोध

1. (क) (i) लालची (ख) (ii) बाजार (ग) (i) एक

2. (क) सोनू को मीठा बहुत पसन्द था।

(ख) सोनू रसोईघर में गया और जार में रखी टॉफियाँ निकालने लगा।

(ग) सोनू ने अपनी मुट्ठी में टॉफियाँ भर ली थीं इसलिए उसकी बंद मुट्ठी बाहर नहीं निकल पा रही थी।

(घ) अंत में माँ ने सोनू को समझाया कि लालच करना अच्छी आदत नहीं है।

3. (क) सही, (ख) गलत, (ग) गलत, (घ) सही।

भाषा-बोध

4. (क) सेठ, खेत (ख) साथ, काम (ग) नीला, गीता (घ) गोल, चोर।

5. (क) मीठी, (ख) लालची, (ग) प्यारी, (घ) बंद।

ज्ञान-बोध

लौकी, गोभी, टमाटर, बैंगन, आलू, सरसों। ❑

6. समुद्र की लहरें

पाठ-बोध

1. (क) (ii) छोटी लहर (ख) (i) नहीं आई (ग) (ii) चन्दा मामा

2. (क) प्रिया समुद्र के किनारे खड़ी थी।

(ख) प्रिया को चन्दा मामा की यह बात बुरी लगी कि वे छोटी लहरों को उससे दूर ले जाते हैं।

(ग) प्रिया ने रेत का महल बनाने के लिए एक ऐसी जगह चुनी जहाँ केवल छोटी लहरें ही आ सकती थीं।

(घ) प्रिया चन्दा मामा को धन्यवाद इसलिए देती है, क्योंकि उसकी प्रार्थना के बाद एक छोटी लहर उसके पैरों को छूकर और उसके द्वारा बनाए गए रेत के महल के चारों ओर नहर में चली जा रही है।

भाषा-बोध

3. घरौंदा = **मिट्टी का घर**; सहेलियाँ = **सखियाँ**; फुसफुसाती = **धीरे से बोलती**

4. सवारी = **सवारियाँ**; तितली = **तितलियाँ**; कुरसी = **कुरसियाँ**।

5.

लड़का	माता	**लड़का – लड़की**
भाई	दादी	**भाई – बहन**
दादा	नानी	**दादा – दादी**
पिता	बहन	**पिता – माता**
नाना	लड़की	**नाना – नानी**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

क्रियाकलाप

❖ छात्र स्वयं करें।

❑

7. नानी आई

पाठ-बोध

1. (क) (i) नानी (ख) (iv) सभी स्थानों पर (ग) (ii) थोड़ा पानी

2. (क) कविता में मुन्नी, चुन्नी, चंपा, भोला बच्चों के नाम आए हैं।
(ख) नानी के आने पर बच्चे शैतानी नहीं करेंगे।
(ग) नानी अपने झोले में गुड्डा और गुड़िया लाई हैं।
(घ) नानी द्वारा पूछी गई पहेली का उत्तर मिलने के बाद ही नानी नई कहानी सुनाएँगी।

3. मुन्नी **चुन्नी** चंपा भोला,
नहीं करेंगे अब **शैतानी**।
झोले में क्या लाई नानी?
गुड्डा काना **गुड़िया** कानी।

भाषा-बोध

4. (क) चुन्नी, सुन्नी (ख) टिड्डा, अड्डा (ग) बिल्ली, खिल्ली (घ) कोटद्वार, द्वारका।

5. (क) डंडा, ठंडा, पंखा (ख) चाँद, पाँच, दाँत।

6. (क) नानी, (ख) कहानी, (ग) गुड़िया, (घ) पहेली।

7. (क) शैतानी ✓ (ख) गुड्डा ✓ (ग) आँखों ✓ (घ) बूझो ✓

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

❑

8. एक साहसी बच्चा

पाठ-बोध

1. (क) (iii) विराट (ख) (iv) घूमने (ग) (i) उसने किसी की जान बचा ली थी।

2. (क) रोहित नदी पर घूमने गया था।
(ख) विराट ने देखा कि एक छोटा-सा बालक पानी में हाथ-पैर मार रहा था और बचाओ! बचाओ! चिल्ला रहा था, जिससे वह समझ गया कि बालक डूब रहा है।
(ग) छोटा बालक नदी में डूबने के कारण चिल्ला रहा था।

(घ) नदी में बालक को डूबता देख वहाँ भीड़ जमा हो गई।

(ङ) विराट इसलिए प्रसन्न था, क्योंकि उसने किसी की जान बचाई थी।

भाषा-बोध

3. क (आ) च (ओ) स

(इ) ग (उ) ध (ए)

4. नदी – **ई** दिन – **इ**; पेड़ – **ए** सुबह – **उ**; बात – **आ** सैर – **ऐ**

ज्ञान-बोध

- छात्र स्वयं करें।
- विराट के अतिरिक्त कोई और नदी में इसलिए नहीं कूदा, क्योंकि वे डर रहे थे कि छोटे बालक को बचाते-बचाते वे स्वयं भी न डूब जाएँ।

❑

9. नाना जी का गाँव

पाठ-बोध

1. (क) (ii) नाना जी के घर (ख) (i) दो (ग) (ii) नाच रहा था

2. (क) गोलू के नाना जी गाँव में रहते हैं।

(ख) नाना जी ने दो गायें पाल रखी थीं, जिनमें से एक काली और दूसरी सफेद रंग की थी।

(ग) नानाजी का कुत्ता दूध-रोटी बड़े चाव से खाता था।

(घ) गोलू ने रास्ते में एक मोर को पंख फैलाकर नाचते हुए देखा इसलिए खुश होकर वह ताली बजाने लगा।

(ङ) नाना जी ने आम तोड़कर गोलू को खिलाए।

3. (क) गलत, (ख) सही, (ग) गलत, (घ) गलत।

भाषा-बोध

4. (क) राम, नाम, काम। (ख) ककड़ी, लकड़ी, मकड़ी।

(ग) घृणा, मृदा, गृह। (घ) बेर, पेट, सेठ। (ङ) बोतल, सोडा, घोड़ा।

5. (क) पीपल, आम। (ख) गाय, बकरी। (ग) तोता, कबूतर।

ज्ञान-बोध

- **पालतू पशु**— गाय, भैंस, बकरी, कुत्ता।
- **जंगली पशु**—शेर, लोमड़ी, भालू, भेड़िया।
- छात्र स्वयं करें।

❑

10. कर भला, हो भला

पाठ-बोध

1. (क) (i) टहनी गिराकर (ख) (ii) कबूतर का
(ग) (i) चींटी के काटने के कारण शिकारी का निशाना चूकने से

2. (क) चींटी नदी में **गिरी**।
(ख) बाज शिकारी का निशाना चूकने के कारण **मरा**।
(ग) शिकारी शिकार करने के लिए जंगल में **आया**।
(घ) कबूतर डाल से **उड़ा**।

3. (क) कबूतर को नदी में डूबती हुई चींटी पर दया आई।
(ख) कबूतर ने चींटी को बचाने के लिए एक सूखी टहनी नदी में गिरा दी।
(ग) चींटी के काटने पर शिकारी के हाथ-पाँव हिले और उसका निशाना चूक गया।
(घ) शिकारी का निशाना चूकने के कारण तीर बाज को लग गया जिससे बाज मारा गया।
(ङ) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें सदैव दूसरों की सहायता करनी चाहिए जिससे दूसरों का भला हो सके और दूसरों का भला करने का फल हमेशा मीठा होता है।

भाषा-बोध

4. ना कि रे = **किनारे**; शा नि ना = **निशाना**; ट सं क = **संकट**
ह ट नी = **टहनी**; री शि का = **शिकारी**; बू क र त = **कबूतर**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

❑

11. छुक छुक रेलगाड़ी

पाठ-बोध

1. (क) (i) धुआँ उड़ाती हुई।
(ख) (i) भगदड़ मच जाती है।
(ग) (ii) विभिन्न स्थानों पर ले जाती है।

2. **स्टेशन** पर आते-जाते, कितना **शोर** मचाती रेल।
आते ही **भगदड़** मच जाती, सबको **खुश** कर जाती रेल।

3. (क) रेलगाड़ी छुक-छुक की आवाज करती है।
(ख) रेलगाड़ी में इंजन सबसे आगे लगा होता है।
(ग) रेलगाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए हरे रंग की झण्डी दिखाई जाती है।
(घ) छुट्टी के दिन सब बच्चे मौज मनाने के लिए रेलगाड़ी बनाना चाहते हैं।

भाषा-बोध

4. शोर = **चोर**; रेल = **खेल**; जाना = **आना**; सब = **जब**।

ज्ञान-बोध

- लोग लम्बी दूरी की यात्रा बस से न करके रेल से करना पसन्द करते हैं, क्योंकि बस की अपेक्षा रेल में अधिक सुविधाएँ होती हैं। रेल में लेटने के लिए आरामदायक शयन कक्ष होते हैं, भोजन की सुविधा और शौचालय की व्यवस्था भी होती है।
- छात्र स्वयं करें।

क्रियाकलाप

- छात्र स्वयं करें।

❑

12. मक्खी से बीमारी

पाठ-बोध

1. (क) (iii) सड़ी-गली चीजों पर (ख) (iii) 125 (ग) (ii) दस

2. (क) बीमारी, (ख) गन्दगी, (ग) स्वस्थ, (घ) मक्खियाँ।

3. (क) नमन को बाजार की चीजें खाने का बड़ा शौक था, इसलिए वह कमजोर व बीमार रहता था।

(ख) बाजार की बनी गन्दी चीजों को खाने से हम बीमार हो जाते हैं।

(ग) बाजार की बनी हुई चीजों पर मक्खियाँ, मच्छर इत्यादि बैठते हैं, जिनके द्वारा रोग के कीटाणु हमारे शरीर में पहुँच जाते हैं।

(घ) मक्खी और मच्छर गन्दगी व सड़ी-गली चीजों पर बैठते हैं, इस गन्दगी से रोग के कीटाणु इनके पैरों पर चिपक जाते हैं। उसके बाद ये मक्खी और मच्छर बाजार की बनी चीजों पर बैठते हैं, जिससे उनके पैरों में लगे कीटाणु उन चीजों पर चिपक जाते हैं। जब हम उन चीजों को खाते हैं, तो उनके साथ रोग के कीटाणु भी हमारे शरीर में चले जाते हैं।

(ङ) मक्खी से हैजा, टायफॉइड तथा पेचिस जैसे रोग पैदा होते हैं।

भाषा-बोध

4. कूड़ा-करकट = **कूड़ा और करकट**; सड़ी-गली = **सड़ी और गली**
चाट-पकौड़ी = **चाट और पकौड़ी**।

5. हष्ट-पुष्ट = **कमजोर**; स्वस्थ = **बीमार**; सफाई = **गन्दगी**।

ज्ञान-बोध

- गन्दी चीजें खाने तथा गन्दा पानी पीने से हमें मुख्य रूप से हैजा, पेचिस, टायफॉइड तथा पीलिया आदि रोग होते हैं।
- छात्र स्वयं करें।

❑

13. हाथी दादा

पाठ-बोध

1. (क) (ii) नंदन वन (ख) (iii) शिकार के लिए (ग) (ii) हाथी ने
2. (क) चिंकू एवं उसका परिवार नंदन वन में रहता था।
   (ख) चिंकू ने देखा कि एक शेर शिकार करने के लिए उनकी ओर आ रहा है। यह देखकर वह सारे खरगोशों के साथ भागा।
   (ग) हाथी ने खरगोशों को अपनी पीठ पर बिठा लिया।
   (घ) हाथी ने अपनी सूँड़ में पानी भरा और पानी की बौछार शेर की ओर कर दी जिससे शेर घबरा गया और वहाँ से भाग गया।
   (ङ) चिंकू खरगोश ने हाथी की पीठ से उतरने के बाद कहा कि दादा! जान बचाने के लिए हम सदा आपको याद रखेंगे।
3. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗

भाषा-बोध

4. दिन = **बिल**, **पिन**, **किन**; शेर = **बेर**, **ढेर**, **घेर**; खरगोश = **भोजन**, **मोहन**, **जोकर**।
   पीठ = **हाथी**, **पानी**, **नानी**; गोल = **मोल**, **ढोल**, **पोल**।
5. जंगल → वन
   सदा → हमेशा
   पानी → जल
   पाँव → पैर
   शेर → सिंह

ज्ञान-बोध

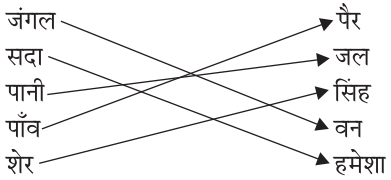

❖ छात्र स्वयं करें।

क्रियाकलाप

❖ छात्र स्वयं करें।

❏

14. कृष्ण की बाल-लीला

पाठ-बोध

1. (क) (iii) कन्हैया या कान्हा (ख) (i) मोर-पंख (ग) (iii) गाय चराना
2. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✗
3. (क) बचपन में श्रीकृष्ण बहुत सुन्दर थे। उनका शरीर गोल-मटोल था तथा उनकी आँखें बड़ी-बड़ी थीं।
   (ख) बालक श्रीकृष्ण गले में फूलों का सुन्दर हार पहनते थे।

(ग) श्रीकृष्ण अपने पैरों में छोटे-छोटे घुँघरू पहनते थे।
(घ) श्रीकृष्ण को खाने में मक्खन बहुत अधिक पसन्द था।
(ङ) श्रीकृष्ण की बाँसुरी की तान सुरीली थी।

भाषा-बोध

4. पहनते हैं = **पहनते थे**, **पहना**, **पहनेंगे**।
नाचते हैं = **नाचते थे**, **नाचे**, **नाचेंगे**।
खाते हैं = **खाते थे**, **खाया**, **खाएँगे**।
बजाते हैं = **बजाते थे**, **बजाया**, **बजाएँगे**।

5. पै = **प्** + **ऐ**; फू = **फ्** + **ऊ**; सा = **स्** + **आ**; छो = **छ्** + **ओ**; मौ = **म्** + **औ**;
वि = **व्** + **इ**; मे = **म्** + **ए**।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

पढ़ें और लिखें

❖ मोची, धोबी, माली, डाकिया।
❖ दरजी, दुकानदार, किसान, दूधिया।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

1. (क) (i) मीठी (ख) (i) चिड़िया (ग) (i) लालची
2. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓
3. (क) वल्लभ कुछ बच्चों के साथ पाठशाला जा रहा था।
(ख) गाँधी जी एक पेंसिल ढूँढ रहे थे।
(ग) प्रिया समुद्र के किनारे खड़ी थी।
4. तेज **हवा** में लेकिन, गिर गया **नन्हा** दाना।
चिड़िया उड़ती उसे ढूँढती, गाती **जाती** गाना।
5. (क) डंडा, ठंडा, पंखा। (ख) चाँद, पाँच, दाँत।
6. (क) आती, जाती। (ख) जाना, आना। (ग) धूल, मूल।

वार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

1. (क) (i) उसने किसी की जान बचा ली थी।
(ख) (i) चींटी के काटने के कारण शिकारी का निशाना चूकने से
(ग) (i) मोर-पंख
2. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓
3. (क) नाना जी ने दो गायें पाल रखी थीं, जिनमें से एक काली और दूसरी सफेद रंग की थी।

(ख) रेलगाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए हरे रंग की झण्डी दिखाई जाती है।

(ग) मक्खी और मच्छर गन्दगी व सड़ी–गली चीजों पर बैठते हैं, इस गन्दगी से रोग के कीटाणु इनके पैरों पर चिपक जाते हैं। उसके बाद ये मक्खी और मच्छर बाजार की बनी चीजों पर बैठते हैं, जिससे उनके पैरों में लगे कीटाणु उन चीजों पर चिपक जाते हैं। जब हम उन चीजों को खाते हैं, तो उनके साथ रोग के कीटाणु भी हमारे शरीर में चले जाते हैं।

4. **स्टेशन** पर आते–जाते, कितना **शोर** मचाती रेल।
आते ही **भगदड़** मच जाती, सबको **खुश** कर जाती रेल।

5. (क) राम, नाम, काम। (ख) ककड़ी, लकड़ी, मकड़ी। (ग) घृणा, मृदा, गृह।
(घ) बेर, पेट, सेठ।

6. दिन = **बिल**, **पिन**, **किन**; शेर = **बेर**, **ढेर**, **घेर**; खरगोश = **भोजन**, **मोहन**, **जोकर**।
पीठ = **हाथी**, **पानी**, **नानी**।; गोल = **मोल**, **ढोल**, **पोल**।

❑